Q/311/21

M.A. I SEMESTER (Main/ATKT) EXAMINATION, DECEMBER-2021

हिन्दी साहित्य

PAPER - II

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

Time : Three hours **Maximum Marks : 40**
Minimum Marks : 14

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंक दर्शाए गए हैं।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1x5 = 05

Q.1 सही उत्तर चुनिए –

(i) होरी के पुत्र का क्या नाम है?

(a) राम (b) गोबर (c) श्यामू (d) मोहन

(ii) आधे–अधूरे नाटक के लेखक है–

(a) भीष्म साहनी (b) जयशंकर प्रसाद
(c) मोहन राकेश (d) कमलेश्वर

(iii) हिन्दी का प्रथम उपन्यास कौन सा है–

(a) परीक्षा गुरु (b) चन्द्रकान्ता
(c) भूतनाथ (d) कर्मभूमि

(iv) 'दीपदान' एकांकी के रचनाकार हैं–

(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (b) डॉ. रामकुमार वर्मा
(c) जगदीश चन्द्र माथुर (d) लक्ष्मीनारायण लाल

(v) मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार हैं –

(a) अमृतलाल नागर (b) जैनेन्द्र
(c) भीष्म साहनी (d) निर्मल वर्मा

खण्ड 'ब' Section 'B'

लघु उत्तरीय प्रश्न

Short Answer Type Questions

2x5 = 10

Q.2 'स्कन्दगुप्त' के चरित्र की कोई दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा OR

धर्मवीर भारतीकृत 'अंधायुग' नाटक का केन्द्रीय भाव लिखिये।

Q.3 'गोदान' उपन्यास के किन्हीं 4 (चार) पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा OR

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों की विषय–वस्तु संक्षिप्त में लिखिए।

Q.4 हिन्दी नाटक के तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा OR

महिला उपन्यासकार मन्नू भण्डारी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Q.5 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की नाट्य रचनाओं पर टिप्पणी लिखिये।

अथवा OR

डॉ. रामकुमार वर्मा की 4 रचनाओं के नाम लिखिए।

Q.6 अमृतलाल नागर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा OR

निर्मल वर्मा के कृतित्व पर प्रकाश डालिये।

खण्ड 'स'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5x5 = 25

Q.7 निम्नलिखित गद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

"अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है! अपने को नियामक और कर्त्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है। उत्सव में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं?

अथवा OR

''असल बात इतनी है कि महेन्द्र की जगह इनमें से कोई भी आदमी होता जिंदगी में, तो साल–दो साल बाद तुम यही महसूस करती कि तुमने गलत आदमी से शादी कर ली है। उसकी जिन्दगी में ऐसे ही कोई महेन्द्र, कोई जुनेजा, कोई शिवजीत या कोई जगमोहन होता जिसकी वजह से तुम यही सब सोचती, यही सब महसूस करती। क्योंकि तुम्हारे लिये जीने का मतलब रहा है–कितना कुछ एक साथ पाकर और कितना कुछ एक साथ ओढ़कर जीना''

Q.8 निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए –

''संसार में गउ बनने से काम नहीं चलता। जितना दबो, उतना ही लोग दबाते है। थाना–पुलिस, कचहरी–अदालत सब है हमारी रक्षा के लिये, लेकिन रक्षा कोई नहीं करता। चारों तरफ लूट है। जो गरीब हैं, बेबस हैं उसकी गर्दन काटने के लिए तैयार रहते हैं। भगवान न करें, कोई बेईमानी करे। यह बड़ा पाप है। तुम्हीं सोचो, आदमी कहाँ तक दबे? यहाँ तो जो किसान है, वह सबका नरम चारा है।''

अथवा OR

''लौकिक मानदण्ड से आनंद नामक वस्तु को नहीं मापा जा सकता। दुख तो केवल मन का विकल्प ही है, मनुष्य तो ऊपर से नीचे तक परमानंद स्वरुप है। अपने को विशेष भाव से देने से ही दुख जाता रहता है, परमानंद प्राप्त होता है।''

Q.9 'स्कन्द गुप्त नाटक में राष्ट्रीय चेतना' पर प्रकाश डालिये।

अथवा OR

''आधे–अधूरे नाटक में आधुनिक जीवन की विघटनशील प्रवृत्तियों का वास्तविक निरुपण है।'' इस मत की समीक्षा कीजिए।

Q.10 'गोदान कृषक जीवन की करुण कथा है' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा OR

'बाणभट्ट' की आत्मकथा' के आधार पर बाणभट्ट का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Q.11 हिन्दी नाटकों के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिये।

अथवा OR

प्रेमचन्दोत्तर उपन्यासों की विवेचना कीजिए।

●●●